

(iii) No landing charges are levied for the launches.

(iv) Subvention to meet the operational and maintenance cost.

(b) At present, yes, Sir.

(c) Hangar facilities, wherever available, are given on nominal rent.

राजस्थान में जिप्सम के निक्षेप

4774 श्री दीलतराम सारण : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में जिप्सम वाले क्षेत्रों के नाम क्या हैं और इसके निक्षेपों की कितनी मात्रा का अनुमान लगाया गया है ;

(ख) राजस्थान में किन-किन स्थानों में जिप्सम निकाला गया है और इसकी कितनी मात्रा निकाली गई है ;

(ग) किस प्रयोजन के लिए जिप्सम का उपयोग किया गया है और इसकी कितनी मात्रा राजस्थान से बाहर भेजी गई थी और यह किन-किन स्थानों को भेजी गई है ; और

(घ) क्या यह सच है कि हनुमानगढ़ में जिप्सम पर आधारित उर्वरक कारखाने की स्थापना के लिए राजस्थान सरकार ने इस के लिए भूमि और भाखड़ा से 25 मैगावाट पावर आरक्षित की थी जो बाद में डी० सी० एम० कोटाको प्रावटिन की गई ?

वाणिज्य तथा इस्पात और खान मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) राजस्थान में जिप्सम वाले क्षेत्रों के नाम और उनके निक्षेपों की मात्रा के बारे में एक विवरण सभा पटल पर रखा गया। [दखिए संख्याएँ ० टी० - 1110 80] ।

(ख) वर्ष 1979 में निकाले गए जिप्सम की मात्रा और स्थानों के नामों का विवरण सभा पटल पर रखा गया। [दखिए संख्याएँ ० टी० - 1110 80] ।

(ग) जिप्सम का उपयोग मुख्यतः सीमेंट उद्योग, उर्वरकों में, क्षारीय मिट्टी को उपजाऊ बनाने में तथा प्लास्टर ऑफ पेरिस आदि में होता है। राजस्थान में प्राप्त जिप्सम मुख्यतः उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, हरियाणा, बिहार आदि प्रदेशों में विभिन्न स्थानों को सीमेंट कारखानों तथा भूमि को उपजाऊ बनाने और अन्य कार्यों के लिए भेजा जाता है। राजस्थान के बाहर भेजे गए जिप्सम की मात्रा और उन स्थानों के नाम, जहाँ जिप्सम भेजा गया, संलग्न अनुबन्ध—3 में दिए गए हैं।

(घ) प्रारम्भ में, राजस्थान में हनुमानगढ़ में जिप्सम पर आधारित उर्वरक कारखाना लगाने की योजना थी। लेकिन बाद में तकनीकी दृष्टि से विचार करने पर यह राय बनी कि सल्फेट उर्वरक अनावश्यक था। अतः हनुमानगढ़ में उर्वरक कारखाने की योजना रद्द कर दी गई। डी० सी० एम० के कोटा स्थित कैल्शियम कारबाइड और पी० वी० सी० कारखाने के लिए भाखड़ा पावर (उत्तरी राजस्थान में) उपयोग का प्रश्न ही नहीं था।

राजस्थान में खनिजों के लिए सर्वेक्षण

4775 श्री दीलतराम सारण : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में जो खनिज निकाले जाते हैं उनके मात्रा-वार नाम क्या हैं तथा उनसे कितनी वार्षिक आय होती है ;

(ख) उन खनिजों के नाम क्या हैं जो खनिजों पर आधारित उद्योग लगाने के लिए उपयुक्त हैं तथा किन-किन खनिजों के आधार पर उद्योग विद्यमान है; और

(ग) उनमें से किन-किन खनिजों का खान में निकालने और सरकारी क्षेत्र में औद्योगिक प्रयोजनों के लिए उपयोग में लाने का विचार है ?

वाणिज्य तथा इस्पात और खान मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) निकाले गए खनिजों के मात्रा-वार नाम संलग्न विवरण में हैं। इन खनिजों में 1978-79 में रायल्टी से 9.00 करोड़ रुपये की वार्षिक आय हुई। उप वर्ष में राक फास्फेट की बिक्री से 16.10 करोड़ रुपये की आय हुई।

(ख) खनिज-आधारित उद्योगों के लिए उपयुक्त सक्षम खनिज हैं :—सीसा, जस्ता, तांबा-अयस्क, चूना पत्थर, राँक फास्फेट, एस्वेस्टम, घियापत्थर, जिप्सम, काच रेत, फ्लूराइट, वैराइटम मिट्टी, बेंटोनाइट, मुलतानी मिट्टी आदि। उन खनिजों के नाम, जिन पर इस समय उद्योग चल रहे हैं, निम्नलिखित हैं—मिट्टी, काच रेत, क्वार्ट्ज और क्वार्ट्ज आइट, चूनापत्थर, वैराइटम, राँक फास्फेट, बेंटोनाइट और मुलतानी मिट्टी, जिप्सम, एस्वेस्टम, घियापत्थर, पाइरोफिल्लाइड, रक्तमणि। गोमेद, आधार धातु, सीसा, जस्ता, तांबा अयस्क, फेलस्फार, अभ्रक, संगमरमर, रक्तमणि, स्लेट, चूनापत्थर, कैल्साइट, बोलेस्टोनाइट, प्लूराइट, डालोमाइट, सिलिकामय मिट्टी और पाइराइट।

(ग) सरकारी क्षेत्र में पहले से निकाले जा रहे महत्वपूर्ण खनिज हैं :—आधार धातुएं (सीसा-जस्ता-तांबा) टंगस्टन, राँक फास्फेट, प्लूराइट, वैराइट, ग्रेनाइट, स्लेट, बेंटोनाइट (बढ़िया किस्म), पाइराइट आदि। नए निक्षेपों में भी इन खनिजों का खनन सरकारी क्षेत्र में जारी रहेंगा। इसके अलावा लिग्नाइट का खनन और उपयोग भी सरकारी क्षेत्र में करने का प्रस्ताव है।

बिबरण
राजस्थान में 1979-80 में खनिज-वार उत्पादन

क्रम सं०	खनिज	यूनिट	उत्पादन (1979-80)
1	2	3	4
प्रमुख खनिज			
1	एस्बेस्टस	हजार टन	27.6
2	बॅराइटस	"	5.2
3	केलसाइट	"	26.6
4	चीनी मिट्टी और ग्लाइट क्ले	"	137.1
5	तांबा अयस्क	"	1124.4
6	डोलोमाइट	"	25.4
7	मरकत मणि	कि० ग्रा०	0.75
8	फ्लेसपार	हजार टन	39.1
9	फ्लूराइट	"	3.5
10	फायरक्ले	"	28.6
11	रक्त मणि	एब्रे० टन	15.0
12	जिप्सम	हजार टन	796.2
13	ग्रेफाइट	"	2.1
14	लोह अयस्क	"	16.6
15	लेटराइट	"	16.0
16	चना पत्थर	"	2520.07
17	सीसा जस्ता और चांदी	"	1118.02
18	माइका (ग्रॅनक)	टन	0.834
19	मैंगनीज अयस्क	—	—
20	फाइरोफिलाइट	हजार टन	5.9
21	क्वार्ट्ज	"	27.5
22	राक फस्फेट	"	515.03
23	लाल और पीला गेरु	"	29.7
24	घोसा पत्थर	"	274.8

1	2	3	4
25	स्लेट स्टोन	हजार टन	69.0
26	सिलिका सैंड	"	114.4
27	सेनेनाइट	"	10.7
28	बेलेस्टोनाइट	"	3.8
29	मैगनेनाइट	"	1.2
30	जैस्फार	"	3.3
31	काइनाइट	—	—
32	टंगस्टन	टन	34.0
33	कोरंडम	—	—
34	सिलिकामय मिट्टी	—	274.8
35	बाल बले	हजार टन	37.07
36	सल्फर ग्राउंड	—	4494.3
37	नोलम	कि० ग्रा०	—
38	वर्गीक्यूनाइट	टन	15.0
39	एपिडाट	—	—
40	रेड ग्रावमाइड	—	—
41	गोमेद	—	—
गौण खनिज			
1	भवन पत्थर	हजार टन	22590.0
2	चूना पत्थर	"	1180.0
3	संशुभ्रमर	"	225.0
5	मुल्तानी मिट्टी	"	14.4
5	बेंटेनाइट	"	24.4
6	इष्टिका भूमि और साधारण मिट्टी	"	2950.0
7	साल्टपीटर	"	1.0
8	ग्रेनाइट	"	1.0